भारतीय सेना का थियेटराइज़ेशन

भारतीय सेना का थिएटराइज़ेशन

थिएटराइजेशन

- यह एक अवधारणा है जो **तीनों सेनाओं- थल सेना, वायु सेना और नौसेना- की क्षमताओं को एकीकृत** करने और युद्ध एवं ऑपरेशनों के लिये **इनके संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने** का प्रयास करती है।
- इसके तहत **विशिष्ट थिएटर कमान/कमांड या यूनिट्स** निर्मित की जाएंगी जो **भौगोलिक (जैसे- किसी विशेष देश के साथ सीमा की निगरानी हेतु) अथवा थीम आधारित (जैसे- सभी प्रकार के समुद्री खतरों के लिये एक कमांड)** हो सकती हैं।
- **चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS)** को संयुक्त/थिएटर कमांड की स्थापना का काम दिया गया है।
- **अमेरिका और चीन सहित** कई देशों के पास थिएटर कमांड हैं।

वर्तमान में कमान संरचना

- 17 एकल सेवा कमान
  - थल सेना-7
  - नौसेना-7
  - वायु सेना-3
- 2 त्रि-सेवा कमान [सामरिक बल कमान] तथा अंडमान और निकोबार कमान

लाभ

- भारतीय सशस्त्र बलों की सभी शाखाओं के बीच समन्वय
- एकजुट तथा सुगठित लड़ाकू बल
- तीनों सेवाओं के लॉजिस्टिक्स का उपयोग
- बेहतर सैन्य अनुकूलन
- संसाधनों का थियेटर विशिष्ट ऑप्टिमाइजेशन
- शीघ्र संघटन और खुफिया सूचनाओं का साझाकरण

चुनौतियाँ

- बजटीय आवंटन और वित्त का वितरण
- थियटर कमानों के बहुलीकरण (एक से अधिक संख्या में होने) के कारण परिसंपत्तियों में बिखराव होना
- विभिन्न कमानों का नामकरण और अधिकार क्षेत्र
- थियेटर कमानों का नेतृत्व
- सशस्त्र सेवा प्रमुखों की शक्तियों का कमजोर होना

शेकटकर समिति की सिफारिश (2015)

- 3 एकीकृत थियेटर कमानों की स्थापना:
  - उत्तरी-चीन सीमा
  - पश्चिमी-पकिस्तान सीमा
  - दक्षिणी-समुद्री सुरक्षा

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/theaterization-of-the-indian-army